Ref: SEC/SE/2026-27
Date: November 05, 2026

To,

Corporate Relations Department
BSE Ltd.
Phiroze Jeejeebhoy Towers
Dalal Street,
Mumbai- 400001

BSE Scrip Code: 500096

Listing Department
National Stock Exchange of India Ltd.
Exchange Plaza, 5th Floor
Plot No. C/1, G Block Bandra – Kurla Complex
Bandra (E), Mumbai – 400051

NSE Scrip Symbol: DABUR

Sub: Newspaper Publication of Unaudited Financial Results for the quarter and half year ended September 30, 2026

Dear Sir/ Madam,

Pursuant to the provisions of Regulation 30, 47 and 52 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, as amended from time to time, we are pleased to enclose copies of the newspaper publication in all editions of Mint (English newspaper), all editions of Deshbandhu (Hindi newspaper) and Business Remedies (English and Hindi newspaper) dated November 05, 2026 which inter-alia contain Quick Response Code and the details of the webpage where complete financial results of the Company for the quarter and half year ended September 30, 2026 are accessible to the Investors.

The afore-mentioned results were approved by the Board of Directors of the Company in its meeting held on November 04, 2026.

This is for your information and records.

Thanking you,
Yours faithfully
For **Dabur India Limited**

Ashok Kumar Jain

Digitally signed by Ashok Kumar Jain
DN: c=IN, o=Personal, title=2634, pseudonym=fzsn5h6lv9a4tm20edjrgcpks8q3o7w1, 2.5.4.20=08443b3bbbcf5f80cd46cc26add8b8bdd652ffd20caa6b7340b03564e4b39dfa, postalCode=110092, st=Delhi, serialNumber=ecb3e1fdc2a028c70333c2d10a7e968110c5d0645b352ed6dfd1bc6aad8147b3, cn=Ashok Kumar Jain
Date: 2026.11.05 15:54:58 +05'30'

(Ashok Kumar Jain)
Group Company Secretary and Chief Compliance Officer

Encl.: as above

देश

उवाच

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी अकेले उत्तर बंगाल में घूमने की कोशिश करते हैं, लेकिन पार्टी में भ्रष्ट और असामाजिक तत्व भी शामिल हो गए हैं। बंगाल में भाजपा की सरकार ज्यादा समय तक नहीं टिकेगी और पांच से छह महीने में उसकी स्थिति बदल जाएगी।

-मदन मित्रा, टीएमसी नेता



तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	27.0	18.0
मुंबई	31.0	27.0
कोलकाता	27.0	23.0
चेन्नई	29.0	28.0

संस्थागत जवाबदेही मजबूत करना प्रौद्योगिकी का उद्देश्य : ओम बिरला

तिरुवनंतपुरम, 4 नवम्बर (देशबन्धु)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद की तर्ज पर देश के सभी राज्य विधानमंडलों के लिए डिजिटल ऑडिट मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म विकसित करने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे लेखा परीक्षा संबंधी टिप्पणियों की व्यवस्थित निगरानी, उन पर की गई कार्रवाई की

■ राज्य विधानमंडलों के लिए डिजिटल ऑडिट मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म विकसित करने का किया आह्वान

समीक्षा और लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। बिरला ने केंद्र और राज्यों की लोक लेखा समितियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर लेखापरीक्षा एवं मूल्यांकन की एक व्यापक व्यवस्था विकसित करने पर भी जोर दिया। लोकसभा अध्यक्ष ने तिरुवनंतपुरम में संसद तथा राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के विधानमंडलों की लोक लेखा समितियों के सभापतियों के दो दिवसीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि विधायी निगरानी को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल जरूरी है। उन्होंने हालांकि आगाह किया कि तकनीकी प्रगति मानवीय विवेक, मूल्यों और संवेदनशीलता का विकल्प नहीं बन सकती। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्राप्त आंकड़ों की सटीकता, प्रामाणिकता और निष्पक्षता बनाए रखना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी का उद्देश्य संस्थागत जवाबदेही मजबूत करना और निर्णय लेने की गुणवत्ता बेहतर बनाना होना चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सार्वजनिक धन के उपयोग में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए लोक लेखा समितियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) जहां स्वतंत्र और निष्पक्ष लेखापरीक्षा करते हैं, वहीं लोक लेखा समितियां इन निष्कर्षों की विस्तृत जांच कर सिफारिशें देती हैं और उन पर कार्रवाई सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी निभाती हैं।



सार्वजनिक धन के उपयोग में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए लोक लेखा समितियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण : ओम बिरला

लेखापरीक्षा की टिप्पणियां केवल रिपोर्टों और सरकारी अभिलेखों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उनके आधार पर प्रशासनिक व्यवस्था में ठोस सुधार भी दिखाई देना चाहिए। कार्यपालिका को समितियों की सिफारिशों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, सामाजिक कल्याण और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में सार्वजनिक निवेश लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में सार्वजनिक धन के प्रत्येक रुपए का उचित हिसाब रखा जाना चाहिए और उसका इस्तेमाल उसी उद्देश्य के लिए होना चाहिए, जिसके लिए उसे आवंटित किया गया है। विधायी निगरानी का दायरा केवल सरकारी खर्च की जांच तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह भी देखना चाहिए कि योजनाओं से अपेक्षित लाभ मिल रहे हैं या नहीं और नागरिकों के जीवन में वास्तविक सुधार हो रहा है या नहीं। बिरला ने सम्मेलन में अंगीकृत 'केरलम संकल्प' को लोक लेखा समितियों को सशक्त बनाने और विधायी निगरानी की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शक बताया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में हुए विचार-विमर्श और सामने आई सिफारिशों को ठोस संस्थागत कार्रवाई में बदलना होगा। इसका उद्देश्य वित्तीय अनुशासन मजबूत करना, संस्थागत क्षमताओं का विकास करना और केंद्र तथा राज्यों में शासन को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और परिणामोन्मुखी बनाना होना चाहिए।

विधायी कर्मचारियों के नियमित प्रशिक्षण पर दिया जोर

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोक लेखा समितियों के सदस्यों, कैग अधिकारियों और विधायी कर्मचारियों के नियमित प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण पर भी जोर दिया। उनके अनुसार, तेजी से बदलती तकनीक के दौर में सदस्यों और अधिकारियों को नई तकनीकों और डिजिटल उपकरणों की जानकारी होना आवश्यक है, ताकि वे अपनी निगरानी संबंधी जिम्मेदारियों को अधिक प्रभावी ढंग से निभा सकें। उन्होंने संसद और राज्य विधानमंडलों की समितियों के बीच नियमित बैठकें आयोजित करने तथा विभिन्न राज्यों की सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों और तकनीकी नवाचारों को साझा करने का भी सुझाव दिया।

मोदी ने चंद्रबाबू से फोन पर की बात

नई दिल्ली, 4 नवम्बर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू को फोन किया और चक्रवात अर्नब व मुरासु के प्रभाव के बारे में जानकारी ली। एक सप्ताह के अंदर राज्य में दो चक्रवातों के आने के बाद प्रधानमंत्री ने प्रभावित इलाकों की स्थिति के बारे में पूछा। आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री नायडू ने प्रधानमंत्री को चक्रवात अर्नब और मुरासु के प्रभाव और प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान के बारे में विस्तार से बताया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को बताया कि भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण किसानों को काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि सड़क और बिजली के ढांचे समेत कई क्षेत्रों में भारी नुकसान हुआ है और केंद्र सरकार से राज्य को उचित सहायता देने का अनुरोध किया। प्रधानमंत्री मोदी ने राहत कार्यों में राज्य सरकार के प्रभावी काम की सराहना की। उन्होंने लगातार सतर्क रहते हुए चक्रवातों से पैदा हुई चुनौतियों को सफलतापूर्वक संभालने के लिए मुख्यमंत्री नायडू की प्रशंसा की। इससे पहले मुख्यमंत्री नायडू ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर चक्रवातों से गंभीर नुकसान झेल रहे राज्य को सहायता देने का आग्रह किया था।



■ अर्नब व मुरासु चक्रवात के नुकसान का लिया जायजा

श्रीनगर में आग से 80 अस्थायी शेल्टर जलकर खाक, दो की मौत

जम्मू,4 नवम्बर (देशबन्धु)। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर के बेमिना स्थित दुर्बल इलाके में 3-4 नवम्बर की रात को भीषण आग लग गई। इस घटना में लगभग 80 अस्थायी घर जलकर खाक हो गए और 2 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि आग रात करीब 12:23 बजे लगी। आग की चपेट में तिरपाल और लकड़ी से बने लगभग 80 अस्थायी घर आ गए। उन्होंने बताया कि इस घटना में एक खाली पोल्ट्री फार्म और एक टिपर (ट्रक) को भी नुकसान पहुंचा है। आग पर काबू पाने के लिए जेवीसी और रावलपोरा फायर स्टेशनों की दमकल गाड़ियां, और बटमालू स्थित फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज मुख्यालय से अतिरिक्त मदद भेजी गई।

अधिकारियों ने बताया कि फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज के पहुंचने से पहले ही आग पूरे इलाके में फैल चुकी थी। आग पर काबू पाने के बाद, मलबे से 2 शव बरामद किए गए। मृतकों की पहचान मोहम्मद नूर आलम (27) पिता अब्दुल वहाब (निवासी दिल्ली, हाल फिलहाल दुर्बल में रह रहे थे) और अल अमीन (16) पिता मोहम्मद रफी (निवासी दिल्ली, हाल फिलहाल कुपवाड़ा में रह रहे थे) के रूप में हुई है। यह दोनों दुर्बल इलाके में कबाड़ बीनने का काम करते थे। अधिकारियों ने बताया कि फोरेंसिक साइंस लैब की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शवों को स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया। जबकि आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। श्रीनगर के डिप्टी डायरेक्टर कमांड डा आकिब हुसैन मीर, मोबिलाइजिंग आफिसर एजाज अहमद शाह, डीएफओ सिटी और डीएफओ मुख्यालय ने आग बुझाने के अभियान का समन्वय किया। इन दिनों घाटी में सूखे मौसम की वजह से आग लगने की घटनाएं ज्यादा होती हैं। अधिकारियों ने कहा है कि लगभग 80 से 95 प्रतिशत आग लगने की वजह इंसानी गतिविधियां होती हैं। बिना देखरेख के या ठीक से न बुझाए गए कैंपफायर आग लगने का एक मुख्य कारण हैं।



घाटी में सूखे मौसम की वजह से अधिक होती हैं आग लगने की घटनाएं

गाड़ियों से या चलते समय लापरवाही से फेंके गए सिगरेट के टुकड़े, यार्ड का कचरा, कूड़ा, या खेती/काट-छांट कर जलाए गए खेत जो काबू से बाहर हो जाते हैं, चेनसॉ, गाड़ियों, या सूखी सड़कों पर टो चेन खींचने से निकलने वाली चिंगारी, और गिरी हुई बिजली की लाइनें, ये सभी अचानक आग लगने के बड़े कारण हैं।

सार संक्षेप

त्रिपुरा निकाय चुनाव अकेले लड़ेगी कांग्रेस

अगरतला। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के स्वतंत्र रूप से अपने उम्मीदवारों की घोषणा के बाद त्रिपुरा प्रदेश कांग्रेस ने अगरतला नगर निगम के 51 वार्डों में से 49 को प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है, जबकि दो सीटें बाद के लिए सुरक्षित रखी हैं। माकपा नीत वाम मोर्चे ने एक नवंबर को दो दिन पहले हुए एक अनौपचारिक समझौते के बावजूद कांग्रेस के लिए केवल 19 वार्ड छोड़कर एएमसी के 32 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी थी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आशीष कुमार साहा ने कहा कि पार्टी राज्य के अन्य 15 निकायों के सभी वार्डों में उम्मीदवार उतारेगी, केवल उन पांच क्षेत्रों को छोड़कर जहां भाजपा समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने डर का माहौल बना रखा है।

तमिलनाडु के पूर्व मंत्री अनबिल न्यायिक हिरासत में

चेन्नई। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम मामलों की विशेष अदालत ने 100 करोड़ रुपये के स्कूल धोखाधड़ी मामले में पूछताछ के लिए तीन दिन की पुलिस हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद बुधवार को द्रमुक नेता एवं तमिलनाडु के पूर्व स्कूल शिक्षा मंत्री अनबिल महेश पोयामोझी को छह नवंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। विशेष अदालत के न्यायाधीश सत्यमूर्ति ने अनबिल को अदालत में पेश किए जाने के बाद उनकी न्यायिक हिरासत का आदेश दिया।

समसेरगंज एनकाउंटर की जांच को एसआईटी गठित

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस ने मुर्शिदाबाद के समसेरगंज में 27 अक्टूबर की दोपहर हुए एनकाउंटर में मारे गए हत्या के आरोपी समीउल शेख से जुड़े मामले की जांच के लिए पांच सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। राज्य सरकार के निर्देश पर एसआईटी का गठन किया गया है। इसकी पुष्टि मुर्शिदाबाद रेंज के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) अजीत सिंह यादव ने की। पहले एसआईटी के गठन को लेकर आधिकारिक अधिसूचना जारी की गई और इसके बाद पांच सदस्यीय एसआईटी का गठन किया गया।

नेशनल कांफ्रेंस के वरिष्ठ नेता गुलाम कादिर परदेसी का निधन

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता और विधान परिषद के पूर्व सदस्य गुलाम कादिर परदेसी का मंगलवार देर रात निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई। परदेशी के पुत्र और लाल चौक के विधायक अह्सान परदेसी ने सोशल मीडिया मंच पर निधन की जानकारी दी। विधायक अह्सान ने लिखा दुख व भारी मन से, सभी को सूचित करना है कि शेख गुलाम कादिर परदेसी, पूर्व पार्षद व सेवानिवृत संयुक्त वित्त आयुक्त स्वर्ग सिधार गए हैं।

विजय सरकार ने की नई बीईएसएस प्रोत्साहन नीति पेश

चेन्नई, 4 नवम्बर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री मो.जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार ने नई बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) प्रोत्साहन नीति जारी की है। इसके तहत वर्ष 2029 तक राज्य में 10,000 मेगावाट बैटरी भंडारण क्षमता स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। वित्त मंत्री एन. मैरी विल्सन ने अपने पहले बजट भाषण में इस नीति की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य निजी निवेश को बढ़ावा देना, तमिलनाडु को भारत का बैटरी ऊर्जा भंडारण केंद्र बनाना और बिजली की अधिकतम मांग को नियंत्रित करना है। बिजली, कानून और जेल मंत्री सौटीआर निर्मल कुमार ने मंगलवार शाम इस नीति की घोषणा की। इसके तहत तमिलनाडु हरित ऊर्जा निगम लिमिटेड को राज्य की नोडल एजेंसी नामित किया गया है। यह एजेंसी नीति के तहत बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं के कार्यान्वयन में समन्वय, सुविधा प्रदान करने और निगरानी का काम करेगी। नयी नीति के तहत एक मेगावाट और उससे अधिक क्षमता वाली नई सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं के लिए बैटरी भंडारण अनिवार्य करने के साथ-साथ कई अन्य उद्देश्य निर्धारित किए गए हैं।



■ 2029 तक 10,000 मेगावाट बैटरी भंडारण का लक्ष्य रखा

चित्रकूट में दीपावली मेले से पहले 199 किग्रा विस्फोटक बरामद, दो गिरफ्तार

चित्रकूट,4 नवम्बर (देशबन्धु)। दीपावली अमावस्या मेले से ठीक पहले मारकुंडी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बोलेरो में ले जाए जा रहे करीब 199 किलोग्राम विस्फोटक बरामद किए हैं।

■ जिलेटिन के आठ झड़, 100 फ्यूज व तार के सात बंडल बरामद
■ मारकुंडी पुलिस ने वाहन किया सीज

पुलिस ने बोलेरो सवार दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से जिलेटिन के आठ झड़, 100 लाल रंग के फ्यूज, तार के सात बंडल और करीब तीन किलोग्राम पाउडर बरामद हुआ है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त बोलेरो को भी सीज कर दिया है। पुलिस के अनुसार, मंगलवार शाम किछुनिया गांव स्थित थाना तिराहे पर वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान बोलेरो संख्या यूपी 96 एस 5721 को रोककर तलाशी ली गई। वाहन में भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री रखी मिली। इसके परिवहन से संबंधित वैध अभिलेख नहीं दिखा पाने पर पुलिस ने दोनों सवारों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान रैपुरा थाना



मेले की सुरक्षा से नहीं होगा समझौता : अरुण कुमार

पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि जनपद में अवैध विस्फोटक सामग्री के भंडारण और परिवहन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। दीपावली अमावस्या मेले को देखते हुए पुलिस को विशेष सतर्कता बरतने और संदिग्ध वाहनों की सघन चेकिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी अभियान के तहत मारकुंडी पुलिस ने भारी मात्रा में विस्फोटक

उप्र के बरेली में बीएलओ निलंबित

बरेली, 4 नवम्बर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में पंचायत चुनाव की तैयारियों के बीच मतदाता सूची से एक समुदाय के 26 मतदाताओं के नाम हटाए जाने का मामला सामने आया है। शेरगढ़ ब्लॉक की ग्राम पंचायत मोहम्मदपुर में तैनात बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) एवं सहायक अध्यापक नफीस खां पर पूर्व प्रधान से मिलीभगत कर हिंदू समुदाय के मतदाताओं के नाम सूची से हटाने का आरोप है। शिकायत की प्रारंभिक जांच में

■ 26 मतदाताओं के नाम काटने के आरोप

महाराष्ट्र सरकार का किसानों को दीपावली का बढ़ा तोहफा



73 लाख किसानों के खातों में पहुंची पांच हजार रुपए अग्रिम राहत राशि

मुंबई, 4 नवम्बर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को घोषणा की कि राज्य के 73 लाख किसानों के बैंक खातों में 5,000 रुपए की अग्रिम सूखा राहत राशि बैंक खातों में सफलतापूर्वक पहुंचा दी गई है। यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि शेष पात्र लाभार्थियों को अगले दो दिनों में राशि का भुगतान कर दिया जाएगा, जिससे दिवाली से पहले लगभग 95 प्रतिशत पात्र किसानों को अंतरिम वित्तीय सहायता मिल सकेगी। बैंक खातों की मामूली तकनीकी त्रुटियों को तेजी से सुधारा जा रहा है। ग्रामीण सहायता ढांचे को और मजबूत करते हुए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि 'पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर किसान ऋण माफी योजना' के तहत 4,86,000 किसानों के खातों में 4,76,4 करोड़ रुपये भेजे गए हैं।

इस किस्त का सबसे बड़ा लाभ मराठवाड़ा क्षेत्र को मिला है, जहां के 2.76 लाख से अधिक किसानों को कर्ज राहत मिली है। इसके साथ ही, इस योजना के तहत अब तक 21 लाख खातों में लगभग 19,000 करोड़ रुपए वितरित किए जा चुके हैं। शिंदे ने निजी साहूकारों, माइक्रोफाइनेंस कंपनियों और बैंकों को चेतावनी देते हुए कहा कि किसानों का उत्पीड़न कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इसके अलावा, उपमुख्यमंत्री ने ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए राज्य में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भर्ती का स्वागत किया और सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर की सराहना की। विपक्ष के 'संविधान बचाओ' अभियानों और 'सत्ता परिवर्तन' संबंधी बयानों पर पलटवार करते हुए दोनों नेताओं ने विपक्ष पर निशाना साधा। शिंदे ने कहा कि चुनाव आयोग और न्यायपालिका जैसी संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ सड़क पर उतरना संविधान का अपमान है। देश की जनता ने विपक्ष को लगातार तीन बार खारिज कर 'अस्वीकृति की हैट्रिक' लगाई है।

कोल्हापुर में किसान नेता राजू शेट्टी के नेतृत्व में चल रहे गन्ना मूल्य आंदोलन पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने स्पष्ट किया कि सरकार चीनी मिलों और किसानों के बीच मध्यस्थता कर रही है ताकि उचित और लाभकारी मूल्य की सुरक्षा के साथ गतिरोध सुलझाया जा सके।

मराठवाड़ा के लिए 7 टीएमसी जल अधिकार आवंटित

क्षेत्रीय जल संकट को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि महायुति सरकार ने मराठवाड़ा के लिए 7 टीएमसी जल अधिकार आवंटित किए हैं। यह लंबे समय से लंबित मांग थी, जो अब पूरी हो रही है। इससे धाराशिव और बीड जिलों को जल संकट से स्थायी राहत मिलेगी।

DABUR INDIA LIMITED

Regd. Office: 8/3, Asaf Ali Road, New Delhi - 110 002
CIN - L24230DL1975PLC007908
Tel. No.: 011-23253488, Website: www.dabur.com
E-mail: corpcomm@dabur.com

UNAUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER AND HALF YEAR ENDED SEPTEMBER 30, 2026

The consolidated and standalone unaudited financial results of the Company for the quarter and half year ended September 30, 2026, approved by the Board of Directors in their meeting held on November 4, 2026, along with the Auditors' Limited Review Reports thereon (expressing an unmodified opinion), as filed with the Stock Exchanges under Regulations 33 and 52 of the SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulations, 2015 are available on the Stock Exchanges websites (www.bseindia.com & www.nseindia.com), the Company's webpage (www.dabur.com/investor/financial-information/results) and can also be accessed by scanning the following Quick Response Code.

For and on behalf of the Board of Directors

Mohit Burman
Chairman
DIN: 00021963

Place: New Delhi
Date: November 4, 2026

आधार हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड

कार्पोरेट कार्यालय :ऑफिस नं. 501 एवं 503, पाँचवी मंजिल, लाइटब्रिज, साकी विहार रोड, अंधेरी ईस्ट, मुंबई सुबुरबन (जिला), महाराष्ट्र-400072
बिलासपुर शाखा: प्रथम मंजिल कृष्णा सोनचत्रा कंपाउंड आरएनटी स्क्वॉयर के पास तारबाहर रोड बिलासपुर-495004, (छ.ग.)
जांजगीर-चांपा शाखा: शॉप नंबर जी-03, कृष्णा प्लाजा, ग्राउंड फ्लोर, तुलसीभवन लिंक रोड के पास, जांजगीर, जिला जांजगीर-चांपा - 495668 (छत्तीसगढ़)
रायपुर - सुंदर नगर नगर शाखा : 1ए एवं 1 बी, दूसरी मंजिल, श्याम प्लाजा, पंदरी, रायपुर - 492004, छत्तीसगढ़

मांग सूचना

सिक्यूरिटाईजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फाईनेन्शियल एस्सेट्स एंड इंफोर्समेंट ऑफ सिक्यूरिटी इंट्रस्ट एक्ट 2002 के साथ सपठित सिक्यूरिटी इंट्रेस्ट (इंफोर्समेंट) नियम 2002 का नियम 3(1) के साथ धारा 13(2) के अंतर्गत सूचना

सिक्यूरिटाईजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फाईनेन्शियल एस्सेट्स एंड इंफोर्समेंट ऑफ सिक्यूरिटी इंटेस्ट एक्ट 2002 (उपरोक्त कानून) के अंतर्गत अधोहस्ताक्षरकर्ता आधार हाउसिंग फायनेंस कार्पोरेशन लिमिटेड (AHFL) के प्राधिकृत अधिकारी है। उपरोक्त कानून की धारा 13(12) के साथ सपठित सिक्यूरिटी इंटेस्ट (इंफोर्समेंट) एक्ट, 2002 के नियम 3 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए प्राधिकृत अधिकारी ने धारा 13(2) के अंतर्गत नीचे वर्णित निम्न ऋणकर्ता (ओं) (उपरोक्त ऋणकर्ता (ओं)) को संबंधित मांग सूचना (ओं) में वर्णित राशि का पूर्णभुगतान करने के लिए बुलाये जाने के लिए जारी की गई थी। उपरोक्त संबंध में एक बार पुनः उपरोक्त ऋणकर्ता (ओं) को पुनः सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 60 दिवस के अंदर नीचे वर्णित राशि के साथ नीचे वर्णित दिनांक से भुगतान की दिनांक एवं/या पुर्न प्राप्ति तक लागू भय ब्याज के उपरोक्त ऋणकर्ता (ओं) से किए गए ऋण अनुबंध के साथ अन्य दस्तावेजो/लिखित में यदि कोई हो, के अंतर्गत देय राशि का भुगतान करें। जैसा कि ऋण के पुर्नभुगतान की जमानत के लिए निम्न संपत्ति को उपरोक्त संबंधित ऋणकर्ता (ओं) द्वारा AHFL को गिरवी रखा गया है।

क्र.	उधारकर्ताओं एवं सह-उधारकर्ता / जमानतदार के नाम	मांग सूचना की दिनांक एवं मांग राशि	प्रतिभूतित आस्तियों का विवरण (अचल संपत्ति/यों)
1	(लोन कोड नं. 01010000062 / बिलासपुर शाखा) स्व. कृष्ण कुमार दिवाकर (कानूनी उत्तराधिकारी के माध्यम से प्रतिनिधित्व) (ऋणी) संजू दिवाकर (सह-ऋणी)	09-10-2026 & ₹ 5,00,800/-	संपत्ति का समस्त भाग एवं अंश, मौजा ग्राम खैरतल, खसरा नंबर 90/5 (भाग), प.ह.नं. 29, आरएनएम एवं तहसील नयागढ़, जिला जांजगीर चंपा, छत्तीसगढ़-495557 चतुर्सीमाएँ: पूर्व: विक्रेता की शेष भूमि, पश्चिम: सम्भेलाल दिवाकर का मकान, उत्तर: लालन देवांगन की भूमि, दक्षिण: जांजगीर से केरा रोड
2	(लोन कोड नं. 01010000401 एवं 38610000015 / बिलासपुर एवं जांजगीर-चंपा शाखा) ओमप्रकाश शर्मा (ऋणी) किरण शर्मा (सह-ऋणी)	09-10-2026 & ₹ 16,63,330/-	संपत्ति का समस्त भाग एवं अंश, ग्राम बारपाली चंपा, खसरा नंबर 174/7 (क्षेत्रफल 2583 वर्गफीट), प.ह.नं. 05/32, आरएनएम एवं तहसील चंपा, जिला जांजगीर चंपा, छत्तीसगढ़ - 495671, चतुर्सीमाएँ: पूर्व: किरण शर्मा की जगीन, पश्चिम: सड़क, उत्तर: गोपाल अग्रवाल की जमीन, दक्षिण: सीता का मकान
3	(लोन कोड नं. 01010000245 / बिलासपुर शाखा) स्व. अनील कुमार मार्गव (कानूनी उत्तराधिकारी के माध्यम से प्रतिनिधित्व) (ऋणी) सीमा मार्गव (सह-ऋणी)	09-10-2026 & ₹ 6,29,419/-	संपत्ति का समस्त भाग एवं अंश, ग्राम थंगाना, खसरा नं. 1039/2, प.ह.नं. 23, आरएनएम एवं तहसील डभरा, जिला जांजगीर चंपा, नाउ सत्ती, छत्तीसगढ़ - 495688, चतुर्सीमाएँ: पूर्व: नहर, पश्चिम: प्रमेन्द्र कमार की भूमि, उत्तर: शेष भूमि, दक्षिण: भरथरी की भूमि
4	(लोन कोड नं. 36410000283 / रायपुर-सुंदर नगर शाखा) अजय कुर्रे (ऋणी) मायावती पति अजय (सह-ऋणी)	09-10-2026 & ₹ 7,55,314/-	संपत्ति का समस्त भाग एवं अंश, मौजा खसरा नं. 80/4, छिंद, प.ह.नं. 15, रिम छिंद, तहसील सारंगगढ़, जिला सारंगगढ, बिलाईगढ, छत्तीसगढ़-496445, चतुर्सीमाएँ: पूर्व: देवकुमार का मकान, पश्चिम: सियाराम की भूमि, उत्तर: माखन की भूमि, दक्षिण: राष्ट्रीय राजमार्ग सारंगगढ़ से बिलासपुर
5	(लोन कोड नं. 01010000487 / बिलासपुर शाखा) पुथ्येन्द्र कुमार साहु (ऋणी) जयंती साहु (सह-ऋणी) केशव प्रसाद साहु (जमानतदार)	09-10-2026 & ₹ 19,08,953/-	संपत्ति का समस्त भाग एवं अंश, गांव परसाढी, खसरा नं. 1182/3, 1182/4 एवं 1182/1, प.ह.नं. 14, आरएनएम एवं तहसील जैजैपुर एवं जिला शक्ति, छत्तीसगढ़-495690 चतुर्सीमाएँ: पूर्व: खिक्रम एवं पीलाशम की भूमि, पश्चिम: संतोष गिंडोले की भूमि, उत्तर: साऊक, दक्षिण: ईश्वर/पिगेश्वर की भूमि
6	(लोन कोड नं. 01010000485 / बिलासपुर शाखा) सत्येन्द्र कुमार महिपाल (ऋणी) अनीता महिपाल (सह-ऋणी)	09-10-2026 & ₹ 1,23,239/-	संपत्ति का समस्त भाग एवं अंश, गांव नवापारा, खसरा नं. 123/2 एवं 123/4, प.ह.नं. 07, आरएनएम गिदहुरी, तहसील दुंडूा, जिला बालौदाबाजार, भाटापारा, छत्तीसगढ़ - 493344 चतुर्सीमाएँ: पूर्व: हेमकुमार की भूमि, पश्चिम: गली, उत्तर: कुंजाराम का खुला प्लॉट, दक्षिण: हेमकुमार का मकान
7	(लोन कोड नं. 01010000832 / बिलासपुर शाखा) राजकुमार केवट (ऋणी) सुशील बाई केवर्त (सह-ऋणी) राजेन्द्र कुमार केवर्त (जमानतदार)	09-10-2026 & ₹ 9,41,697/-	संपत्ति का समस्त भाग एवं अंश, मौजा खजुरी (खजुरी नवा गांव), खसरा नं. 372/1/टा, क्षेत्रफल 2841 वर्ग फीट, प.ह.नं. 48, आरएनएम पेंडारी, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़ - 495001 चतुर्सीमाएँ: पूर्व: गायत्री की संपत्ति, पश्चिम: भुवनेश्वर की संपत्ति, उत्तर खेलवन की संपत्ति, दक्षिण: रोड

यदि उपरोक्त ऋणकर्ता उपरोक्त राशि का AHFL को भुगतान करने में असफल रहते है तो AHFL उपरोक्त संपत्ति के विरुद्ध कानून की धारा 13(4) एवं लागू नियम के अंतर्गत ऋणकर्ता के पूर्ण जोखिम मूल्य एवं परिणाम पर कार्यवाही करेगी। उपरोक्त ऋणकर्ताओं को कानून के अंतर्गत संपत्ति का विक्रय, किराया या अन्य प्रकार से बिना AHFL के लिखित अनुमति के बिना हस्तांतरित करने पर प्रतिबंधित किया जाता है कोई व्यक्ति जो कि उपरोक्त कानून या नियम में दिए गए प्रावधानों का उल्लंघन या उल्लंघन करने को बढ़ावा देता है उसे उपरोक्त कानून के अंतर्गत प्रदत जुर्माना या /एवं कारावास के लिए दंड दिये जाने के योग्य होगा।

स्थान : छत्तीसगढ़, दिनांक : 05-11-2026

सही/- प्राधिकृत अधिकारी
वास्ते - आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

Capital not default venue for dispute: HC

Krishna Yadav
krishna.yadav@livemint.com
NEW DELHI

New Delhi may no longer be an easy first stop for companies fighting brand infringement cases.

The Delhi high court returned 17 intellectual property (IP) suits on Tuesday, warning businesses against choosing the national capital simply because it is a convenient place to fight legal battles.

The court described such practices as "forum shopping" and "litigation tourism."

Justice Purushaindra Kumar Kaurav returned the cases involving companies such as Niven, Kajaria Ceramics, Marico, Zydus Wellness and JSW MG Motor India.

The court said companies cannot file cases in Delhi merely because rival products are available online, websites can be accessed in the city or products ordered by investigators are delivered here. They must show that the dispute has a genuine connection with Delhi.

"As a matter of principle as well, allowing jurisdiction to be conferred through transactions entered into between an investigator of the plaintiff and a given defendant seems unjust and unfair. Allowing this to happen would allow litigants to engage in forum shopping and litigation tourism," the court said.

Forum shopping refers to the practice of litigants or lawyers intentionally filing cases in a specific court or jurisdiction that will likely give them a favourable judgement.

For an extended version of this story, go to livemint.com.

Post-subsidy, EV makers see lower costs as key to profits

Electric vehicles now account for over 10% of two-wheeler sales and 8% of car sales

Ayaan Kartik
ayaan.kartik@livemint.com
NEW DELHI

India's big-ticket electric vehicle (EV) subsidies have an expiry date: 31 March 2028. And at least two auto giants, Bajaj Auto Ltd and Tata Motors Ltd, have begun preparing for life after it.

The preparation comes as analysts and investors begin to question the readiness of companies to deal with the withdrawal of incentives in less than 18 months as EV profitability is supported by taxpayer-backed schemes now.

Senior executives at both companies, which are among the beneficiaries of the government's production-linked incentive (PLI) scheme and PM E Drive, have indicated that reducing manufacturing costs will be key to profitability once the incentives are reduced. The withdrawal of government support in the US and China had led to a decline in EV sales in those countries, prompting a closer look at whether the trend could be repeated in India.

EV sales have surged in the country, with two-wheelers crossing the 10% mark and cars exceeding 8% of vehicle sales. Bajaj Auto's chief financial officer Dinesh Thapar said the PLI scheme had contributed to an improvement in the company's EV profitability, but it was already working to reduce costs and prepare for its eventual withdrawal.

"There is a fair amount of work that is happening on looking at the platform costs and fundamentally the next round of cost reductions that will have to come into place to be able to mitigate at least a substantial portion of PLI," Thapar said during the company's earnings call on 27 October.

He said Bajaj Auto would also have to assess how market pricing evolves across competitors in a post-PLI environment.



Independent analysts have flagged the risks to EV profitability once government support begins to decline. MINT

while its research and development pipeline was already working towards the next round of cost savings in electric products.

Bajaj Auto reported EV revenue of almost ₹5,500 crore in the first half of FY27, accounting for about 34% of its domestic revenue. Its Chetak electric scooter has crossed 1 million vehicles on the road, while the company's overall EV business has turned margin accretive at the corporate level.

Tata Motors has also acknowledged the need to prepare for a post-incentive environment. Managing director and chief executive officer Girish Wagh said the company was satisfied with its current EV margin structure after accounting for PLI benefits. "We are happy with the margin structure currently, but we continue to improve on these further because we certainly want to get prepared for the post-PLI environment," Wagh said at the firm's earnings call on 23 October.

Tata Motors is looking to expand its electric commercial vehicle business, including buses and trucks, where higher vehicle utilization can help improve the economics of electrification. The firm recently tied up with Amazon for the deployment of 3,000 electric trucks, adding to its efforts to scale up electric commercial mobility.

Independent analysts have flagged the risks to EV profitability once government support begins to decline. HSBC Global Investment Research said in a report in September that India's EV adoption faced two structural challenges: the potential cut in subsidies and the difficulty of lowering manufacturing costs through localization. "Any reduction in subsidies has to be compensated for by either a reduction in manufacturing costs or an increase in the price of the vehicle and hence passed on to the customer," Yogesh Aggarwal, Vipul Agarwal and Ayush Jhunjhunwala of HSBC wrote in the report.

For an extended version of this story, go to livemint.com.

PLI SCHEME

BAJAJ AUTO and Tata Motors are preparing for the withdrawal of EV incentives by March.

BAJAJ AUTO says PLI benefits have boosted EV profitability and improved margins.

TATA MOTORS is looking to scale up electric commercial vehicles, including buses and trucks.

HSBC estimates EV subsidies could decline by at least 50% over the next four to five years.

GCCs power office Reit leasing as IT demand cools

Madhurima Nandy
madhurima.n@htlive.com
BENGALURU



Higher leasing has boosted occupancy across Reits. MINT

India's office real estate investment trusts or Reits, which are the largest owners of commercial workspaces in the country, saw a sharp rise in demand and leasing during April-September, led by global capability centres (GCCs), despite the blip caused by the West Asia war.

GCCs account for a larger share of leasing across cities even as uncertainty over artificial intelligence (AI) and its potential impact on office demand looms. The increased leasing by GCCs also comes at a time when demand from IT services firms, once the largest office occupiers, has shrunk.

India has six listed Reits—focused on office assets and one on retail—backed by global asset managers such as Blackstone and Brookfield, and leading office developers. Together, they manage over 200 million sq ft of Grade A office and retail assets in India.

GCCs share of leasing in H1FY27 rose to 83% from 61% in H1FY26, reinforcing their role as a key demand driver

For Embassy Office Parks Reit, GCCs accounted for 85% of total leasing in the July-September quarter, up from 56% in the year-ago corresponding quarter.

Their share of leasing in the first half of FY27 rose to 83% from 61% in H1 FY26, reinforcing their role as a key demand driver.

"GCC-led leasing has strengthened significantly. While traditional IT services-led demand is normalizing, GCC expansion is gaining momentum, driven by both existing occupiers and new entrants establishing higher-value functions across engineering, R&D, AI and analytics. This reflects a structural shift in India's office demand towards higher-value global operations," Amit Shetty, CEO, Embassy Reit told *Mint*.

Of the 1.6 million sq ft Brookfield India Real Estate Trust (Biret) leased in the September quarter, GCCs accounted for 51%. The firm said lease renewals and expansions by high-quality GCC tenants demonstrated their stickiness, according to an earnings presentation this week.

Mindspace Business Parks Reit has seen GCC share of leasing rising to 52% compared to 48% two years ago. In contrast, IT services leasing has dropped to 21% from 24%. The company counts several GCCs of companies as tenants. "GCC demand remains strong, and we have requirements for space by them only going up, particularly in cities such as Hyderabad," Mindspace Business Parks managing director and CEO Ramesh Nair said.

For an extended version of this story, go to livemint.com.

DABUR INDIA LIMITED
Regd. Office: 8/3, Asaf Ali Road, New Delhi - 110 002
CIN - L24230DL1975PLC007908
Tel. No.: 011-23253488, Website: www.dabur.com
E-mail: corpcomm@dabur.com

UNAUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER AND HALF YEAR ENDED SEPTEMBER 30, 2026

The consolidated and standalone unaudited financial results of the Company for the quarter and half year ended September 30, 2026, approved by the Board of Directors in their meeting held on November 4, 2026, along with the Auditors' Limited Review Reports thereon (expressing an unmodified opinion), as filed with the Stock Exchanges under Regulations 33 and 52 of the SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulations, 2015 are available on the Stock Exchanges websites (www.bseindia.com & www.nseindia.com), the Company's webpage (www.dabur.com/investor/financial-information/results) and can also be accessed by scanning the following Quick Response Code.

For and on behalf of the Board of Directors

Mohit Burman
Chairman
DIN: 00021963

Place: New Delhi
Date: November 4, 2026

BSE
The Power of Vibrancy
BSE Limited
25th Floor, P. J. Towers, Dalal Street, Fort, Mumbai – 400 001

BSE Limited, Asia's oldest and one of India's major stock exchanges, invites applications for the post of Managing Director and Chief Executive Officer

BSE Limited, Asia's oldest and one of India's major stock exchanges, invites applications for the post of Managing Director and Chief Executive Officer.

Established in 1875, BSE Ltd. is India's premier stock exchange and has played a pivotal role in shaping and developing the country's capital markets for over 150 years. In 2017, BSE became India's first listed stock exchange, marking a significant milestone in its distinguished legacy.

Experience:

- Seasoned leader with a minimum of 20 years of experience, including at least 5 years in a senior leadership role.
- Possesses a deep understanding of capital markets.
- Demonstrates a strong understanding of technology and digital transformation, with the proven ability to lead technology-enabled initiatives and driving operational excellence.
- A market-savvy leader with an entrepreneurial mindset and an innovative approach to driving growth within a regulated ecosystem.
- Brings experience in managing diverse stakeholder groups and balancing expectations across investors, regulators, business partners, customers, employees, and other key constituents.

Minimum Educational Qualification: Strong academic background, including a graduate degree or professional qualification from a recognized educational or professional institution e.g.: BA, B.Com, CA, MBA, LLB, B.Tech, or equivalent credentials from reputed institutions.

Age: Applicants should be under 62 years of age as on 1st July 2027

Furthermore, the candidate will need to fulfill the requisite eligibility requirements stated as per the Companies Act, and SEBI Regulations, and must obtain the necessary clearances or No Objection Certificates from the relevant authorities, wherever required.

Compensation: The compensation and perquisites will be in line with industry standards.

Location: The position is based in Mumbai.

References will be required.

As per the current SEBI guidelines, a person may be appointed as MD & CEO for a maximum of two terms not exceeding 5 years each, subject to the maximum age of 65 years.

Interested candidates (Indian passport holders only) may please send their CVs via email to bse2026@egonzehnder.com. The application will be treated with strict confidentiality and should be received by 10:00 am IST on 19 November, 2026. In case of any queries please email bse2026@egonzehnder.com or contact: +91 22 4076 7000.

Note: Only applications submitted in accordance with the prescribed process and within the stipulated timeline will be considered.

Meeting the eligibility criteria does not guarantee shortlisting. For exceptional candidates, the eligibility requirements may be relaxed at the discretion of BSE Ltd. The final selection shall be at the sole discretion of BSE Ltd., subject to applicable regulatory approvals, and the decision shall be final and binding on all applicants. BSE is an equal opportunity employer and encourages applications from qualified candidates regardless of gender, age, or background.

GAJA CAPITAL
GAJA ALTERNATIVE ASSET MANAGEMENT LIMITED
Regd. Office: 302, 3rd Floor, Kanchenjunga Building, 18, Barakhamba Road, Connaught Place, New Delhi, India, 110001. **CIN:** U67190DL1999PLC099260 | **Tel. No.:** +91-022-24212280
E-Mail: info@gajacapital.com | **website:** https://www.gajacapital.com/

ADVERTISEMENT
(Pursuant to Regulation 47(1) of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015)

This is to state that the Board of Directors of Gaja Alternative Asset Management Limited ("the Company"), at its meeting held on Wednesday, November 04, 2026, approved the Standalone and Consolidated Financial Results of the Company for the quarter and half year ended September 30, 2026.

The said Financial Results were subject to limited review by the Statutory Auditor of the Company, and the Statutory Auditor has issued an unmodified opinion thereon.

The Financial Results are available and accessible through the Quick Response (QR) Code below, or on the website of the Company at https://gajacapital.com/investor-relations/reports-and-publications.

The same are also available on the websites of BSE Limited (www.bseindia.com) and National Stock Exchange of India Limited (www.nseindia.com).

For, Gaja Alternative Asset Management Limited
Sd/-
Gopal Jain
Managing Director & CEO
DIN: 00032308

Place: New Delhi
Date: November 04, 2026

Adfactors 514/26

JM FINANCIAL LIMITED
Corporate Identity Number: L67120MH1986PLC038784
JM Financial
Registered Office: 7th Floor, Cnergy, Appasaheb Marathe Marg Prabhadevi, Mumbai 400025. **Tel. No.:** +91 22 6630 3030
Fax: +91 22 6630 3223 • **Email:** acommunication@jmfl.com • **Website:** www.jmfl.com

STATEMENT OF UNAUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE SECOND QUARTER AND HALF YEAR ENDED SEPTEMBER 30, 2026

The unaudited standalone and consolidated financial results for the second quarter and half year ended September 30, 2026 have been reviewed by the Audit Committee, and on its recommendation, have been approved by the Board of Directors at its meeting held on November 4, 2026, in accordance with Regulation 33 of Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, as amended (the **"SEBI Listing Regulations"**). The said result have been subjected to limited review by the Statutory Auditors of the Company, who have issued an unmodified reports thereon. The results, along with the Limited Review Reports, are being uploaded on the Company's website at **https://jmfl.com/investor-relations/financial-results** and the same can be accessed by scanning the given QR code.

Further, the Board of Directors has declared an interim dividend of ₹ 1.65 per equity share of the face value of **₹ 1 each** for the financial year 2026-27. The said interim dividend will be paid on or after Friday, November 20, 2026 to those Members whose names appear in the Register of Members of the Company or in the records of the Depositories as beneficial owners of the shares as on the record date, viz., Wednesday, November 11, 2026.

By and on behalf of the Board of Directors
Vishal Kampani
Vice Chairman and Managing Director
(DIN: 00009079)

Place: Mumbai
Date: November 4, 2026

Note: The above intimation is in accordance with Regulation 33 read with Regulation 47(1) of the SEBI Listing Regulations

Pritika Engineering Components Limited reports 55.08% growth in Q2 revenue at Rs. 5,596.44 lakh

New Delhi | BR Team

Mohali-based Pritika Engineering Components Limited is one of the leading manufacturers of precision machined components for the tractor and automotive sectors in India. The company has announced its strong financial results for the quarter and half-year ended September 30, 2026, reporting significant double-digit growth in revenue and net profit. According to the financial report, the company's total revenue for the second quarter of the current financial year stood at Rs. 5,596.44 lakh, registering an impressive growth of 55.08% compared to Rs. 3,608.65 lakh in the corresponding quarter of the previous year. Meanwhile, the company's total income for the half-year ended September 30, 2026, increased by 56.25% to Rs. 10,699.74 lakh, compared to Rs. 6,847.75 lakh in the corresponding period of the previous year. Along with revenue, the company also witnessed strong growth in its net profit during the quarter. During the quarter under review, the company's net profit increased to Rs. 265.23 lakh, registering a strong growth of 31.78% compared to Rs. 201.27 lakh in the corresponding quarter of the previous year. Additionally, the company's net profit for the first half of the current financial year increased by 28.15% to Rs. 482.44 lakh, compared to Rs. 376.45 lakh in the corresponding period of the previous year. Following this impressive growth in profitability, the company's basic earnings per share (EPS) for the half-year increased from Rs. 1.43 to Rs. 1.83.

Company profile: Pritika Engineering Components Limited is a prominent subsidiary of the 'Pritika Group', with its registered office located in Mohali, Punjab. The company is primarily engaged in manufacturing high-quality precision castings and machined components for automotive components, tractors and commercial vehicles. Backed by its state-of-the-art manufacturing infrastructure and strong engineering capabilities, the company serves leading original equipment manufacturers (OEMs) in India and is a trusted name in the automobile and agricultural equipment sectors.

ICICI Life BSE 500 Momentum Quality 50 Index Fund launched to offer customers quality companies with steady share-price growth

Mumbai | BR Team

ICICI Life Insurance has launched the ICICI Life BSE 500 Momentum Quality 50 Index Fund, a new equity investment option available with most of their unit-linked insurance plans (ULIPs). The fund offers investors an opportunity to invest in companies with strong financials and positive share price trends. The index fund is designed to help investors generate superior long-term returns by investing in a diversified portfolio of 50 stocks from the BSE 500 that score well on a combination of two factors - Momentum and Quality.

Commenting on the launch, Mr. Manish Kumar, Chief Investment Officer, ICICI Life Insurance, said: "ICICI Life BSE 500 Momentum Quality 50 Index Fund offers investors an effective way to build long-term wealth by tracking companies with high-quality businesses, strong earnings visibility and steady share-price momentum. Importantly, investors will get exposure to a portfolio of companies with healthy financials which is determined based on metrics/ratios such as Return on Equity, Debt to Equity and Earnings per Share and whose stock price has seen a good growth over the past 12 months. This index fund is in line with our Company's focus of enabling customers to tap the compounding power of long-term investing while navigating market fluctuations. Thus, providing customers a structured framework that transforms steady growth into enduring financial security for their families." As of September 30, 2026, the BSE 500 Momentum Quality 50 index fund has generated returns of up to 23.7% over a 7-year period. This means the Rs. 1 lakh invested 7 years ago would have become Rs. 4.4 lakhs today. Besides, the fund's portfolio is rebalanced quarterly and updated as business fundamentals and market opportunities evolve.

Notably, the Company's claim settlement ratio of 99.3% in H1-FY2027, with an average turnaround time of 1.1 days for non-investigated claims reflects its commitment to being there for customers and families when it matters most. The ICICI Life BSE 500 Momentum Quality 50 Index Fund will be available with most ULIPs offered by the company that includes ICICI Life Protect N Gain, ICICI Life Signature Assure, ICICI Life Signature, ICICI Life Platinum, ICICI Life Wealth Elite Pro, along with life cover, on www.icicilife.com.

Dabur reports 11.7% growth in Q2 net profit at Rs. 505 crore, marking the fourth consecutive quarter of double-digit profit growth

Consolidated Revenue Grows 11.6% to Rs. 3,563 Crore;

India FMCG Business Grows 10.7%; International Business Grows 20%

New Delhi | BR Team

Dabur India Limited, one of India's leading FMCG companies, announced its results for the quarter ended 30th September 2026.

Key Highlights: Consolidated Revenue: Q2 Revenue Grew 11.6% to Rs. 3,563 crore - 2nd straight quarter of double-digit growth; H1 Revenue at Rs. 7,327 crore, 11.1% growth.

Net Profit: Q2 PAT rose 11.7% to Rs. 505 crore - 4th consecutive quarter of double-digit profit growth; H1 PAT at Rs. 1,096 Crore, up 13.4%.

India FMCG Business: 10.7% growth, with 5.5% underlying volume growth.

Premiumisation: Premium brands grew at 4X the pace of regular brands and accounts for 20% share of the domestic business.

International Business: Grew 20% in INR terms in Q2, with strong performances across key markets. H1 International business up 19.4%.

Dabur's performance reflected the underlying strength of its core brands, continued momentum in the premium portfolio, and focused execution across categories.

Commenting on the business performance, Dabur India Limited Chief Executive Officer Mr. Herjit S. Bhalla said: "Our performance in Q2 reflects the strength of our brands and the sharper execution of our strategy. We delivered profitable growth despite operating in a challenging external environment marked by geopolitical uncertainty and elevated input-cost pressures. What gives me confidence is that the growth has been broad-based and backed by healthy underlying volumes."

"The evolving channel landscape continues to present significant opportunities for us. This quarter saw a marked resurgence in General Trade with the channel growing by mid to high single digit, supported by our continued efforts under Project Saksham. We remain focused on strengthening our brands and expanding our presence across channels to sustain growth momentum," Mr. Bhalla said.

Category Growths

The Home & Personal Care (HPC) business grew 10.9% during Q2, led by strong performances in hair care and home care, alongside steady growth across skin and oral care categories. Both the Shampoo and Hair Oils businesses registered high double-digit growths, while the Home Care category also grew in double digits. The Skin & Salon business grew at high single digit and the Oral Care category reported mid-single-digit growth. The Healthcare business grew 6.9% during the quarter, supported by continued momentum in Digestives, OTC & Ethicals businesses with these categories reporting strong double-digit growth. The Food & Beverages (F&B) business grew 17.4% during the quarter, supported by strong performance in Foods and the Beverages portfolio registering a sequential recovery.

Dabur's International Business grew 20% in INR terms during the quarter, supported by strong performances across several key markets like Bangladesh, Egypt, Sub-Saharan Africa and Turkey.

The Board of Directors of Dabur India Ltd declared an Interim Dividend of 350% for 2026-27. "Continuing with our payout policy, the Board has declared an Interim Dividend of Rs. 3.50 per share, aggregating to a total payout of Rs. 620.88 Crore," Dabur India Ltd Chairman Mr. Mohit Burman said.

Aimtron Electronics Limited reports 86.40% growth in H1 consolidated revenue at Rs. 23,040.71 lakh

Jaipur | BR Team

Gujarat-based Vadodara-headquartered Aimtron Electronics Limited is a rapidly growing Electronics System Design and Manufacturing (ESDM) company. Aimtron Electronics Limited has announced its strong financial results for the half-year ended September 30, 2026, reporting significant growth in both profitability and revenue.

According to the financial report, the company's consolidated total revenue for the first half of the current financial year stood at Rs. 23,040.71 lakh, registering a remarkable growth of 86.40% compared to Rs. 12,360.72 lakh in the corresponding period of the previous year. The sharp increase in revenue was primarily driven by growth in income from operations, which increased from Rs. 12,254.39 lakh in the previous year to Rs. 22,471.18 lakh in the current year, registering a growth of 83.37%. Along with revenue growth, the company also witnessed an exceptional improvement in its net profit. During the half-year under review, the company's consolidated net profit surged to Rs. 3,479.35 lakh, registering an impressive growth of 71.86% compared to Rs. 2,024.54 lakh in the corresponding half-year of the previous year. During this period, the company's total expenses also increased by 90.72% from Rs. 9,549.28 lakh to Rs. 18,212.55 lakh, indicating expanding business operations. Driven by the increase in profitability, earnings per share (Basic EPS) also rose by 68.51% to Rs. 16.75 from Rs. 9.94 in the previous year.

Company profile: Aimtron Electronics Limited is a leading company in the Electronics System Design and Manufacturing (ESDM) and Electronic Manufacturing Services (EMS) sectors. The company provides high-quality electronic solutions globally. Headquartered in Vadodara, Gujarat, the company has established a strong presence in domestic and international industrial, automotive and consumer electronics markets, supported by its advanced manufacturing infrastructure and technical expertise.

HOAC Foods India Limited announces acquisition of 'EVERGROW' brand and expansion of B2B business rollout



New Delhi | BR Team

New Delhi-based HOAC Foods India Limited has announced the acquisition of the 'EVERGROW' brand name and further expansion of its B2B business rollout, strengthening its presence in the FMCG sector. In an official communication to the stock exchanges, the company stated that the primary objective of this acquisition is to establish a dedicated business-to-business (B2B) distribution network for packaged food staples and other FMCG products. The already registered brand name will help the company launch its products in the market more quickly. Under this strategic initiative, the company will introduce a wide range of daily consumption products under the 'EVERGROW' brand, including wheat flour, rice, spices, edible oils, gram flour, poha, semolina, refined flour, pickles and traditional fried snacks. The company is expanding this brand through three major channels: general trade, wholesale and institutional sales. Currently, the company is achieving monthly sales of more than Rs. 1 crore under this brand across Delhi, Haryana, Uttar Pradesh and Madhya Pradesh. In the next phase of expansion, the company plans to strengthen its sales network in Maharashtra and other key markets.

Company profile: HOAC Foods India Limited is primarily known for its popular brand 'Hariom Atta & Spices'. The company delivers high-quality food products directly to consumers through its premium exclusive outlets, company-owned and franchise stores, as well as its website and mobile application. Through the 'EVERGROW' brand, the company is now rapidly strengthening its position in the B2B segment with a strong network of super stockists and distributors.

Gayatri Rubbers and Chemicals reports 58.75% growth in H1 revenue at Rs. 27.52 crore

New Delhi | BR Team

Faridabad-based Gayatri Rubbers and Chemicals Limited, a leading manufacturing company in the rubber solutions sector, has announced its strong financial results for the first half of FY 2026-27. According to the official information submitted to the stock exchanges, the company's total revenue for the half-year increased by an impressive 58.75% to Rs. 27.52 crore, compared to Rs. 17.33 crore in the corresponding period of the previous year.



Shilp Chotai
Managing Director,
Gayatri Rubbers and
Chemicals Limited

Supported by efficient operations and strong demand, the company's EBITDA also registered a growth of 60.91% to Rs. 6.46 crore, taking its EBITDA margin up by 32 basis points to 23.48%. Meanwhile, the company's net profit after tax witnessed a significant jump of 54.21%, increasing from Rs. 2.63 crore to Rs. 4.06 crore.

Commenting on the performance, the company's Managing Director, Shilp Chotai, said, "This half-year has been a period of strong execution and strengthening our market position, reflecting the company's growing capabilities. On the operational front, the company achieved several important milestones during this period, with its inclusion as an official vendor by the Karnataka State Road Transport Corporation being a key achievement. Under this development, the company received its first Letter of Intent worth Rs. 1.29 crore for the supply of EPDM rubber glazing for buses.

"Additionally, the company secured two confirmed purchase orders worth Rs. 4.53 crore for 'Rubber with Metal' components, which are scheduled to be completed by May 2027. The company has also secured a pilot order from the Indian Space Research Organisation (ISRO) for EPDM rubber, marking its formal entry into the aerospace and space sectors."

The company, which holds the status of a 'Class 1 Supplier' to Indian Railways, manufactures 65 out of the 75 rubber products required for a single railway coach in-house. Currently, its Plant-1 unit in Faridabad is operating at approximately 85% capacity (170 metric tonnes), while its dedicated Plant-2 unit for specialised railway products, such as UIC vestibules and decoupling rubber, is operating at 35% capacity.

Listed on the National Stock Exchange, Gayatri Rubbers and Chemicals Limited is a reputed company engaged in developing specialised rubber solutions for diverse industrial sectors. The company's portfolio spans railways, public transportation (KSRTC and BEML), aerospace (ISRO), as well as smart meters, industrial, automotive and infrastructure verticals. The company primarily specialises in manufacturing high-quality rubber components and rubber-to-metal bonded parts.

NSE's consolidated profit after tax increased by 23% to Rs. 2,578 crore in the second quarter

Consolidated Total Income in Q2FY27 increased by 9% YoY to Rs. 4,554 crore

Contribution to the Exchequer in H1FY27 was Rs. 41,234 crore

Mumbai | BR Team

NSE, India's leading exchange, reported an increase in the consolidated total income of 9% YoY to Rs. 4,554 crore for Q2FY27, from Rs. 4,160 crore in Q2FY26. The consolidated revenue from transaction charges for Q2FY27 increased by 9% to Rs. 3,035 crore as against Rs. 2,789 crore for Q2FY26; driven by higher volumes in cash markets and equity options segments. The cash market trading segment in Q2FY27 recorded an Average Daily Traded Volume (ADTV) of Rs. 1,18,377 crore, up by 24% YoY. The ADTV for equity options (premium value) increased by 3% YoY to Rs. 47,977 crore, while ADTV for equity futures segment in Q2FY27 stood at Rs. 1,24,574 crore.

Revenue from data connectivity charges stood at Rs. 267 crore; revenue from operating investment income increased by 9% YoY to Rs. 237 crore, from Rs. 217 crore in Q2FY26; revenue from data feed and terminal services increased by 43% YoY to Rs. 165 crore, from Rs. 115 crore in Q2FY26; and revenue from listing services increased by 70% YoY to Rs. 150 crore, from Rs. 88 crore in Q2FY26.

On a consolidated basis, total expenditure for Q2FY27 reduced by 51% YoY to Rs. 1,161 crore as against Rs. 2,354 crore for Q2FY26. During the corresponding quarter of previous fiscal year, NSE had recognised a provision of Rs. 1,297 crore, towards the SEBI settlement fees related to colocation and dark fibre matters.

On a consolidated basis, operating EBITDA for Q2FY27 increased by 107% YoY to Rs. 3,079 crore with EBITDA margin at 76%. On a consolidated basis, profit after tax increased by 23% YoY to Rs. 2,578 crore for Q2FY27 from Rs. 2,098 crore for Q2FY26. Earnings per share (on non-annualized basis) increased to Rs. 10.41 in Q2FY27 as compared to Rs. 8.48 in Q2FY26.

For the H1FY27 period, the consolidated total income increased by 9% YoY to Rs. 9,807 crore as against Rs. 8,959 crore for H1FY26. Operating EBITDA increased 45% to Rs. 6,674 crore with a margin of 77%. Consolidated net profit for H1FY27 increased by 13% YoY to Rs. 5,698 crore with earnings per share at Rs. 23.02 (on non-annualized basis).

On a standalone basis, NSE's total income for Q2FY27 increased by 8% YoY to Rs. 3,956 crore from Rs. 3,666 crore in Q2FY26. The revenue from operations for Q2FY27 increased by 9% YoY to Rs. 3,567 crore, from Rs. 3,266 crore in Q2FY26.

On a standalone basis, the operating EBITDA was Rs. 2,622 crore in Q2FY27 with an EBITDA margin of 74%. Profit after tax increased by 16% YoY to Rs. 2,164 crore in Q2FY27 from Rs. 1,858 crore in Q2FY26. Profit after tax margin was 55% in Q2FY27.

For the H1FY27 period, the standalone total income increased by 8% YoY to Rs. 8,568 crore, of which operating revenue was Rs. 7,634 crore. On a standalone basis, operating EBITDA increased by 51% YoY to Rs. 5,726 crore with a margin of 75% and net profit for H1FY27 increased by 12% YoY to Rs. 4,798 crore with a margin of 56%.

During H1FY27, NSE's contribution to the exchequer was Rs. 41,234 crore which comprised STT/CTT of Rs. 34,788 crore, income tax of Rs. 2,885 crore, stamp duty of Rs. 1,926 crore, GST of Rs. 1,171 crore and SEBI fees of Rs. 464 crore. Of the total STT/CTT of Rs. 34,788 crore, cash market (delivery based) segment constituted 38%, cash market (intraday) segment constituted 7%, and equity derivatives segment constituted 55%.

Ashishkumar Chauhan, Managing Director & CEO, NSE said "Q2FY27 was a momentous quarter for us as we successfully completed the listing of one of the world's largest and most technologically advanced market infrastructure institutions. The listing milestone marked an important phase in our evolution, reflecting our continued commitment to the highest standards of governance, transparency and value creation; as we continue to drive innovation and deepen India's capital market ecosystem."

During the quarter, NSE facilitated India's first-ever tokenised bond issuances aggregating Rs. 1,000 crore, marking a significant milestone in the evolution of digital bond market infrastructure. NSE also advanced its product pipeline across asset classes with regulatory approvals and new initiatives, including derivatives on the Nifty India FPI 150 Index and Corporate Bond Index Futures. During the quarter, NSE also celebrated 30 years of NSE Clearing's contribution to the development of India's capital markets.

DABUR INDIA LIMITED
Regd. Office: 8/3, Asaf Ali Road, New Delhi - 110 002
CIN - L24230DL1975PLC007908
Tel. No.: 011-23253488, Website: www.dabur.com
E-mail: corpcomm@dabur.com

UNAUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER AND HALF YEAR ENDED SEPTEMBER 30, 2026

The consolidated and standalone unaudited financial results of the Company for the quarter and half year ended September 30, 2026, approved by the Board of Directors in their meeting held on November 4, 2026, along with the Auditors' Limited Review Reports thereon (expressing an unmodified opinion), as filed with the Stock Exchanges under Regulations 33 and 52 of the SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulations, 2015 are available on the Stock Exchanges websites (www.bseindia.com & www.nseindia.com), the Company's webpage (www.dabur.com/investor/financial-information/results) and can also be accessed by scanning the following Quick Response Code.

For and on behalf of the Board of Directors

Mohit Burman
Chairman
DIN: 00021963

Place: New Delhi
Date: November 4, 2026

गोलूवाला के सुरेंद्र सिहाग इंडिया शेल्टर में प्रेसिडेंट के पद पर संभालेंगे नई जिम्मेदारी

अफोर्डेबल हाउसिंग फाइनेंस के अनुभवी प्रोफेशनल हैं सुरेंद्र सिहाग, बजाज फाइनेंस और आवास फाइनेंसियर्स लिमिटेड में भी निभा चुके हैं महत्वपूर्ण भूमिकाएं

गुरुग्राम। बिज़नेस रेमेडीज

गोलूवाला गांव के सुरेंद्र सिहाग इंडिया शेल्टर फाइनेंस कॉरपोरेशन में प्रेसिडेंट ङ्क चीफ स्ट्रेटजी एंड कस्टमर एक्सीलेंस के पद पर अपनी नई पेशेवर पारी शुरू करने जा रहे हैं। अफोर्डेबल हाउसिंग फाइनेंस के क्षेत्र में विशेष अनुभव रखने वाले सिहाग बजाज फाइनेंस और आवास फाइनेंसियर्स लिमिटेड जैसी वित्तीय संस्थाओं के साथ काम कर चुके हैं। आवास फाइनेंसियर्स लिमिटेड में उन्होंने ग्राहक सेवा प्रमुख के रूप में भी अपनी जिम्मेदारी निभाई। विभिन्न वित्तीय उत्पादों, ग्राहक सेवा, व्यावसायिक संचालन और रणनीतिक कार्यप्रणाली का अनुभव रखने वाले सिहाग की प्रमुख विशेषज्ञता अफोर्डेबल हाउसिंग फाइनेंस में है। उनका मानना है कि आम परिवारों को घर का सपना पूरा करने में सहायता देने के साथ-साथ बेहतर ग्राहक अनुभव, जिम्मेदार वित्तीय सेवाएं और मजबूत परिचालन व्यवस्था भी आवश्यक हैं।

गांव के युवाओं को कॉर्पोरेट जगत में आगे बढ़ने की प्रेरणा : सुरेंद्र सिहाग अपने पेशेवर जीवन के साथ-साथ युवाओं को करियर के प्रति जागरूक करने और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने में भी रुचि रखते हैं। उनके मार्गदर्शन और प्रेरणा से गोलूवाला तथा आसपास के कई युवा कॉर्पोरेट क्षेत्र में आगे बढ़े हैं और विभिन्न कंपनियों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। सिहाग का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभा की कमी नहीं है। सही मार्गदर्शन, मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के बल पर गांवों के युवा भी बड़े संस्थानों



में अपनी पहचान बना सकते हैं। युवाओं को नए अवसरों के लिए तैयार करना और उन्हें करियर में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना उनके लिए विशेष संतोष का विषय है।

सुरेंद्र सिहाग से पांच सवाल

प्रश्न 1 : इंडिया शेल्टर के साथ नई जिम्मेदारी को आप किस रूप में देखते हैं?

उत्तर : इंडिया शेल्टर के साथ जुड़ना मेरे लिए एक महत्वपूर्ण पेशेवर अवसर है। मेरा प्रयास रहेगा कि अपने अनुभव का उपयोग संगठन की रणनीतिक प्राथमिकताओं, ग्राहक अनुभव और व्यावसायिक विकास को मजबूत बनाने में कर सकूं। मेरा मानना है कि किसी भी वित्तीय संस्थान की दीर्घकालिक सफलता के लिए ग्राहक का विश्वास और बेहतर सेवाएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

प्रश्न 2 : बजाज फाइनेंस और आवास फाइनेंसियर्स लिमिटेड में काम करने का क्या लाभ मिला?

उत्तर : बजाज फाइनेंस में विभिन्न वित्तीय उत्पादों के साथ काम करने से मुझे अलग-अलग व्यावसायिक मॉडल और ग्राहक वर्गों को समझने का अवसर मिला। आवास फाइनेंसियर्स लिमिटेड में ग्राहक सेवा प्रमुख के रूप में कार्य करते हुए ग्राहक सेवा और परिचालन प्रक्रियाओं से जुड़े अनुभव को और व्यापक बनाने का अवसर मिला। इन अनुभवों ने मेरी व्यावसायिक समझ को मजबूत किया।

प्रश्न 3 : अफोर्डेबल हाउसिंग फाइनेंस का भविष्य कैसा देखते हैं?

उत्तर : अफोर्डेबल हाउसिंग फाइनेंस उन परिवारों के लिए महत्वपूर्ण है, जो अपना घर खरीदने या बनाने का सपना देखते हैं। इस क्षेत्र में जिम्मेदार ऋण वितरण, बेहतर ग्राहक सेवा, पारदर्शी प्रक्रियाएं और तकनीक का प्रभावी उपयोग महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

प्रश्न 4 : आपके सामाजिक जीवन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) से जुड़ाव का क्या महत्व है?

उत्तर : मेरे लिए सेवा भाव, अनुशासन, सामाजिक समरसता और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी जैसे मूल्य महत्वपूर्ण हैं। मेरा मानना है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देना चाहिए। युवाओं को सकारात्मक दिशा देना और उन्हें सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना भी महत्वपूर्ण है।

प्रश्न 5 : ग्रामीण युवाओं को क्या संदेश देना चाहेंगे?

उत्तर : मेरा संदेश है कि गांव के युवा बड़े सपने देखें और उन्हें पूरा करने के लिए निरंतर मेहनत करें। शिक्षा, कौशल विकास, अनुशासन और आत्मविश्वास से वे कॉर्पोरेट जगत में भी अपनी पहचान बना सकते हैं। साथ ही, आगे बढ़ने के बाद अपने गांव और समाज के अन्य युवाओं को प्रेरित करना भी हमारी जिम्मेदारी है।

सुरेंद्र सिहाग का संदेश : ग्रामीण युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है। उन्हें सही मार्गदर्शन, अवसर और आत्मविश्वास मिले, तो वे कॉर्पोरेट जगत में नई ऊंचाइयां हासिल कर सकते हैं।

KIZI APPARELS LIMITED

CIN: L14109RJ2023PLC086522
Add.: H-629, Sitapura, Industrial Area, Phase-II, Jaipur-302022
Tel.: 9953023939 Email: info@kiziapparels.com Web: www.kiziapparels.com

NOTICE OF NINTH EXTRAORDINARY GENERAL MEETING TO BE HELD THROUGH VIDEO CONFERENCING (VC) OF OTHER AUDIO-VISUAL MEANS

1. Notice is hereby given that the **9th Extraordinary General Meeting ("EGM")** of the Company will be convened through Video Conferencing/Other Audio Video Means on **Monday, 30th November, 2026 at 03:00 P.M. IST** in accordance with and in compliance with the procedure prescribed in the General Circular Nos. 20/2020 dated 5th May 2020 and 03/2025 dated 22nd September, 2025 and other circulars issued in this respect ("MCA Circulars") and relevant SEBI Circulars (collectively referred as "Circulars") to transact the businesses as set out in the Notice calling the EGM without physical presence of shareholders at a common venue.

In compliance with above mentioned Circulars, Notice of EGM have been sent through electronic mode to those shareholders who have registered their e-mail IDs with depositories or with the Company. The EGM notice is also available on the Company's website www.kiziapparels.co.in, website of stock exchange i.e. BSE Limited at www.bseindia.com and on the website of NSDL at www.evoting.nsdl.com.

INSTRUCTIONS FOR E-VOTING:

The Company has provided its shareholders remote e-voting facility in compliance with the provisions of section 108 of the Companies Act, 2013 and relevant rules made thereunder and Regulation - 44 of the SEBI (LODR) Regulations, 2015. The Company has engaged NSDL as the authorized agency to provide e-voting facility to its all members.

The cut-off date to determine eligibility to cast votes by electronic voting is Monday, 23rd November, 2026. The remote e-voting facility shall be open from Friday, 27th November,2026 at 09:00 A.M and ends on Sunday, 29th November,2026 at 5:00 PM. For all the shareholders. Remote e-voting facility shall not be allowed beyond the said date and time. The members who remain present in the EGM through VC/OAVM facility and had not cast their votes on the resolutions through remote e-voting and are otherwise not barred from doing so, shall be eligible to vote through e-voting facility during the EGM.

The members may participate in the meeting even after exercising their right to vote through remote e-voting but shall not be allowed to vote again during the meeting. Detailed instruction for remote e-voting facility and e-voting at EGM are forming part of the Notice of EGM.

The Members who have not registered their email IDs with the Depository Participant/ Registrar and Share Transfer agent of the Company and are willing to vote through e-voting/ remote e-voting are requested to refer detailed instruction for remote e-voting facility and e-voting at EGM are forming part of the Notice of EGM.

Any person who acquires shares and becomes shareholder of the Company after dispatch of the notice and holding shares as of the cut-off date may cast their votes by following the instructions and process of e-voting as provided in the Notice of EGM.

In case Member who have not registered their e-mail address, are requested to contact their respective Depository Participant for registering the email addresses.

In case of any queries, you may refer the Frequently Asked Questions (FAQs) for Shareholders and e-voting user manual for Shareholders available at the download section of www.evoting.nsdl.com or call on toll free no.: 1800 1020 990 and 1800 22 44 30 or send a request at evoting@nsdl.co.in.

For and on Behalf of the Board of Directors of
For KIZI APPARELS LIMITED
Sd/-
MONICA MAHAVEER JAIN
Company Secretary & Compliance Officer

Date: 05.11.2026
Place: Jaipur

डाबर ने नेतृत्व में बदलाव की घोषणा की; हरजीत एस. भल्ला को निदेशक मंडल में नियुक्त किया

नई दिल्ली।बिज़नेस रेमेडीज



डाबर इंडिया लिमिटेड के निदेशक मंडल ने आज नेतृत्व में नियोजित बदलाव को मंजूरी दी। इसके तहत कंपनी के भारत कारोबार के वर्तमान मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्री हरजीत एस. भल्ला को नियामकीय मंजूरी के अधीन 14 नवंबर 2026 से पांच वर्ष के कार्यकाल के लिए पूर्णकालिक निदेशक के रूप में निदेशक मंडल में नियुक्त किया जाएगा। नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की सिफारिश पर लिया गया यह निर्णय मोहित मल्होत्रा के ग्लोबल मुख्य कार्यकारी अधिकारी और पूर्णकालिक निदेशक के पद से 13 नवंबर 2026 से इस्तीफा देने के बाद लिया गया है। उन्होंने व्यक्तिगत हितों को आगे बढ़ाने के लिए यह निर्णय लिया है।

निदेशक मंडल में शामिल होने के बाद भी भल्ला भारत में कंपनी के कारोबार की विकास योजनाओं का नेतृत्व जारी रखेंगे। वे कंपनी का प्रतिनिधित्व करने के साथ-साथ उसके प्रमुख बाजार भारत में रणनीतिक दिशा तय करने की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं, वर्तमान में पूर्णकालिक निदेशक के रूप में कार्यरत पी.डी. नारंग ग्रुप डायरेक्टर - कॉरपोरेट अफेयर्स के पद पर बने रहेंगे। वे डाबर समूह के विभिन्न कारोबारों को रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे और अंतरराष्ट्रीय कारोबार की निगरानी भी जारी रखेंगे।

इस बदलाव की घोषणा करते हुए निदेशक मंडल के चेयरमैन मोहित बर्मन ने कहा कि निदेशक मंडल की ओर से मैं मल्होत्रा को डाबर में तीन दशकों से अधिक की उनकी सेवाओं और संगठन में उनके योगदान के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। हम उनके व्यक्तिगत हितों को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। भल्ला को निदेशक मंडल में शामिल करना उनके नेतृत्व में हमारे विश्वास और डाबर की विकास यात्रा में भारत के कारोबार की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। हमें विश्वास है कि अंतरराष्ट्रीय कारोबार सहित डाबर के विभिन्न व्यवसायों को नारंग के रणनीतिक मार्गदर्शन का लाभ मिलता रहेगा। उन्हें समूह के साथ चार दशकों का अनुभव प्राप्त है।

यह नियोजित बदलाव नेतृत्व की जिम्मेदारियों और जवाबदेही को स्पष्ट करता है। साथ ही, यह कंपनी की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने और विकास के अगले चरण की तैयारी के दौरान कामकाज में निरंतरता सुनिश्चित करेगा।

भल्ला इसी वर्ष की शुरुआत में डाबर से जुड़े थे। उन्हें विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों और कारोबारी परिस्थितियों में ब्रांड विकसित करने, कारोबार का विस्तार करने और सतत विकास को गति देने का 25 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने यूनिलीवर में 16 वर्षों से अधिक समय तक भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रबंधन संबंधी विभिन्न भूमिकाओं में काम किया। इसके बाद उन्होंने द हर्शे कंपनी और मेट्रो कैश एंड कैरी इंडिया में वैश्विक नेतृत्व की जिम्मेदारियां संभालीं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से बी.कॉम. (ऑनर्स) की डिग्री और एमडीआई गुरुग्राम से एमबीए किया है।

बिजली की बढ़ती मांग के बीच मजबूत ट्रांसमिशन नेटवर्क की जरूरत

नई दिल्ली। बिज़नेस रेमेडीज



भारत में बिजली की बढ़ती मांग और नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार के बीच मजबूत ट्रांसमिशन नेटवर्क की जरूरत बढ़ रही है। अजय जसरा लोक मामलों एवं नीतिगत विषयों के विशेषज्ञ के अनुसार, सौर और पवन ऊर्जा का उत्पादन बढ़ाने के साथ इसे देश के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचाने के लिए ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास भी जरूरी है।

राजस्थान जैसे राज्यों में सौर ऊर्जा उत्पादन की अच्छी संभावनाएं हैं, जबकि कई अन्य क्षेत्रों में बिजली की मांग अधिक है। ऐसे में मजबूत ट्रांसमिशन लाइनें, सबस्टेशन और ग्रिड सुविधाएं एक क्षेत्र में उत्पादित बिजली को दूसरे क्षेत्र तक पहुंचाने में मदद करती हैं। केंद्रीय विद्युत मंत्रालय के मार्च 2026 के आंकड़ों के मुताबिक, राष्ट्रीय विद्युत योजना के तहत वर्ष 2031-32 तक 220 किलोवोल्ट और उससे अधिक वोल्टेज वाले ट्रांसमिशन नेटवर्क को बढ़ाकर करीब 6.48 लाख सर्किट किलोमीटर करने की योजना है। वहीं, अंतरक्षेत्रीय बिजली हस्तांतरण क्षमता को जनवरी 2026 के लगभग 120 गीगावाट से बढ़ाकर 2032 तक 168 गीगावाट करने का लक्ष्य है। चौधरी के मुताबिक, औद्योगिक विकास, शहरीकरण और बढ़ती घरेलू मांग को देखते हुए बिजली उत्पादन, ट्रांसमिशन और वितरण के बीच बेहतर तालमेल जरूरी होगा। देश में स्वच्छ ऊर्जा की क्षमता का प्रभावी उपयोग मजबूत और विश्वसनीय बिजली नेटवर्क से ही संभव है।

DABUR INDIA LIMITED

Regd. Office: 8/3, Asaf Ali Road, New Delhi - 110 002
CIN - L24230DL1975PLC007908
Tel. No.: 011-23253488, Website: www.dabur.com
E-mail: corpcomm@dabur.com

UNAUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER AND HALF YEAR ENDED SEPTEMBER 30, 2026

The consolidated and standalone unaudited financial results of the Company for the quarter and half year ended September 30, 2026, approved by the Board of Directors in their meeting held on November 4, 2026, along with the Auditors' Limited Review Reports thereon (expressing an unmodified opinion), as filed with the Stock Exchanges under Regulations 33 and 52 of the SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulations, 2015 are available on the Stock Exchanges websites (www.bseindia.com & www.nseindia.com), the Company's webpage (www.dabur.com/investor/financial-information/results) and can also be accessed by scanning the following Quick Response Code.

For and on behalf of the Board of Directors

Mohit Burman
Chairman
DIN: 00021963

Place: New Delhi
Date: November 4, 2026

जीजेईपीसी ने एफटीए के प्रभावी उपयोग पर आयोजित कार्यशाला में लिया भाग

गुरूग्राम। बिज़नेस रेमेडीज। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने गुरुग्राम में हरियाणा सरकार के एमएसएमई निदेशालय द्वारा आयोजित 'मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का लाभ उठाना - आउटरीच कार्यक्रम' विषय पर आधारित राज्य-स्तरीय कार्यशाला में अपने सदस्य निर्यातकों के प्रतिनिधिमंडल की भागीदारी सुनिश्चित की। 'भारत के मुक्त व्यापार समझौते को हरियाणा के लिए वैश्विक बाजार के अवसरों में बदलना' विषय पर आयोजित इस कार्यशाला में सरकारी अधिकारी, उद्योग निकायों के प्रतिनिधि और निर्यातक एक मंच पर आए। यहां भारत के एफटीए से मिलने वाले अवसरों और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की गई। जीजेईपीसी के अध्यक्ष, किरीट भंसाली ने कहा कि भारत के मुक्त व्यापार समझौतों से भारतीय निर्यातकों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के बड़े अवसर खुलते हैं। संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया, ईएफटीए देशों, ब्रिटेन, ओमान, न्यूजीलैंड और यूरोपीय संघ जैसे साझेदारों के साथ हुए ये समझौते हमारे क्षेत्र के निर्यात परिदृश्य को पूरी तरह बदल चुके हैं। भारत के एफटीए साझेदार देश हर साल कुल मिलाकर 55 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य के आभूषणों का आयात करते हैं। इन बाजारों तक तरजीही और शुल्कमुक्त पहुंच मिलने से, भारतीय रत्न और आभूषण उद्योग को मजबूत प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलती है।

TIJARIA तिजारिया पॉलीपाइप्स लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय : एसपी-1-2316, रीको औद्योगिक क्षेत्र, रामचन्द्रपुर, सीतापुरा विस्तार, जयपुर-302022,
सीआईएन: L25209RJ2006PLC022828, ईमेल: INVESTORS@TIJAIRA-PIPES.COM

30 सितंबर, 2026 को समाप्त तिमाही और छमाही के लिए अनअंकेक्षित एकल वित्तीय परिणामों का विवरण

(ईपीएस को छोड़कर रुपए लाखों में)

क्र. सं.	विवरण	समाप्त तिमाही			समाप्त छमाही		समाप्त वर्ष
		30.09.2026	31.03.2026	30.09.2025	30.09.2026	30.09.2025	31.03.2026
		अनअंकेक्षित				अनअंकेक्षित	अंकेक्षित
1.	परिचालनों से कुल आय व अन्य	03.30	05.29	10.06	08.59	12.20	22.29
2.	अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि), (कर, असाधारण और या असाधारण वस्तुओं से पहले)	(30.97)	(36.11)	(39.60)	(67.08)	(66.22)	(128.72)
3.	अवधि के लिए कर से पहले शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण और या असाधारण वस्तुओं के बाद)	(30.97)	(36.11)	(39.60)	(67.08)	(66.22)	(128.72)
4.	अवधि के लिए कर के बाद शुद्ध लाभ / (हानि) (असाधारण और या असाधारण वस्तुओं के बाद) अवधि के लिए कुल व्यापक आय (अवधि के लिए (कर पश्चात) समायोजित लाभ/(हानि)और	(30.97)	(36.11)	(39.60)	(67.08)	(66.22)	(128.72)
5.	अन्य समायोजित आय (कर पश्चात)	(30.97)	(36.11)	(39.60)	(67.08)	(66.22)	(128.72)
6.	समता अंश पूंजी (रु.10/- प्रति का अंकित मूल्य) आय प्रति शेयर (रु. 10/- प्रति का अंकित मूल्य) (वार्षिक नहीं)	2862.66	2862.66	2862.66	2862.66	2862.66	2862.66
	मूल	(0.11)	(0.13)	(0.14)	(0.23)	(0.23)	(0.45)
	तनुकृत	(0.11)	(0.13)	(0.14)	(0.23)	(0.23)	(0.45)

टिप्पणियां:

1. उपरोक्त वित्तीय परिणामों की लेखा परीक्षा समिति द्वारा समीक्षा और अनुशंसा की गई है और 4 नवंबर, 2026 को आयोजित उनकी बैठक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया है।
2. जहां भी आवश्यक समझा गया, पिछली अवधि के आंकड़ों को पुनर्समूहित/पुनर्व्यवस्थित किया गया है।
3. आयकर और आस्थगित कर (यदि कोई हो) के लिए प्रावधान वर्ष के अंत/चौथी तिमाही में मान्यता प्राप्त होंगे।
4. परिचालन खंड: कंपनी मुख्य रूप से दो खंडों अर्थात पाइप और वस्त्र में काम करती है। प्रत्येक परिचालन खंड के लिए विचार किए जाने वाले उत्पाद हैं: 1) पाइप्स में एचडीपीई, पीवीसी पाइप, सिंचाई प्रणाली शामिल हैं; 2) टेक्सटाइल में मिंक कंबल, मास्क शामिल हैं
5. त्रैमासिक वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंजों की वेबसाइटों अर्थात् www.nseindia.com और www.bseindia.com पर और कंपनी की वेबसाइट www.tijaria-pipes.com पर उपलब्ध है।

निदेशक मंडल के लिए और की ओर से
कृते/-
प्रवीण जैन तिजारिया
पूर्णकालिक निदेशक
(डीआईएन: 00114937)

स्थान: जयपुर
दिनांक: 04.11.2026

एएसजी हॉस्पिटल लिमिटेड का 'सुरक्षित आंखें, सुरक्षित दिवाली' अभियान करेगा पटाखों से घायल बच्चों की मदद

जयपुर।बिज़नेस रेमेडीज



एएसजी हॉस्पिटल लिमिटेड ने त्योहारी सीजन के लिए बच्चों की आंखों की सुरक्षा से जुड़ी एक पहल 'सुरक्षित आंखें, सुरक्षित दिवाली' शुरू की है। इस पहल के तहत पटाखों से संबंधित आंखों की चोटों से पीड़ित 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को कंपनी के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम के अंतर्गत एएसजी आई हॉस्पिटल में इलाज मिलेगा। यह पहल 4 नवंबर से 14 नवंबर 2026 तक 95+ शहरों में 200+ एएसजी आई हॉस्पिटल केंद्रों पर चलेगी। जयपुर में श्याम नगर स्थित एएसजी आई हॉस्पिटल में वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डॉ. मुकेश पाटिल, डॉ. दिव्या सिंह, डॉ. प्रमोद कुमार सुमन, डॉ. ध्रुव कामरा, डॉ. वात्सल्या वेंकटरमण एवं डॉ. स्वाति इंदुरख्या ने इस अभिनव पहल पर प्रकाश डालते हुए आतिशबाजी के दौरान आंखों की सुरक्षा करने और दुर्घटना होने की स्थिति में किए जाने वाले त्वरित चिकित्सा उपायों पर विस्तार से जानकारी दी।

डॉ. मुकेश पाटिल, डॉ. दिव्या सिंह एवं डॉ. प्रमोद कुमार सुमन ने बताया कि इस अभियान का एक सरल संदेश है - जश्न को जिम्मेदारी से मनाएं और हर बच्चे की आंखों की चमक को सुरक्षित रखें। इस पहल के तहत इलाज में प्राथमिक उपचार, आपातकालीन स्थिति में आंखों की देखभाल, दवाइयाँ और जहां आवश्यकता हो वहां सर्जरी शामिल होगी। ऑप्टिकल उत्पाद, जैसे कि चश्मे, इत्यादि इसमें शामिल नहीं हैं, और नियम व शर्तें लागू हैं। हर दिवाली पर पटाखों के कारण आंखों में लगने वाली चोट के मामले बढ़ जाते हैं और इन मामलों में बच्चों की हिस्सेदारी बहुत बड़ी होती है। कॉर्निया यानी आंख की पुतली और आंख के सामने के अन्य हिस्सों में चोट लगना सबसे आम समस्याओं में से है और यदि किसी नेत्र विशेषज्ञ द्वारा इनका तुरंत इलाज न किया जाए, तो इनमें से कुछ चोटें दृष्टि को स्थायी नुकसान पहुँचा सकती हैं। चोट लगने के बाद के शुरुआती कुछ घंटे अक्सर यह तय करते हैं कि आंख कितनी अच्छी तरह ठीक हो पाएगी। पिछले साल दिवाली के दौरान, एएसजी केंद्रों पर पटाखों से आंख झुलसने वाले 500 से अधिक बच्चों का इलाज किया गया था।

एएसजी आई हॉस्पिटल के डॉ. ध्रुव कामरा, डॉ. वात्सल्या वेंकटरमण एवं डॉ. स्वाति इंदुरख्या के अनुसार पटाखों से लगने वाली चोट आंखों की रोशनी को नुकसान पहुंचा सकती है। ऐसी स्थिति में आंख को रगड़ें नहीं और न ही कोई घरेलू उपाय करें। तुरंत हमारी हेल्पलाइन पर संपर्क करें और बिना देरी किए नजदीकी एएसजी आई हॉस्पिटल, शार्प साइट आई हॉस्पिटल्स या किसी नजदीकी आई केयर सेंटर पर जाएं। एएसजी आई हॉस्पिटल परिवारों को पटाखे चलाते समय पांच सरल सावधानियों का पालन करने की सलाह देता है जिनमें आतिशबाजी से सुरक्षित दूरी बनाए रखकर परिचालन, सुरक्षात्मक चश्मा पहनना, बच्चों को किसी वयस्क की देखरेख में ही पटाखे चलाने की अनुमति देना आदि शामिल हैं। चिकित्सकों ने बताया कि पटाखे चलाते समय दुर्घटना में चोटिल आंख को कभी न रगड़ें।

स्वास्थ्य सेवा और पर्यटन क्षेत्रों के विकास की घोषणा की

कोलकाता।एजेंसी। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने राज्य के उत्तरी क्षेत्र में दार्जिलिंग जिले के सिलीगुड़ी में एक प्रशासनिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने उत्तर बंगाल के पहाड़ी इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं और पर्यटन क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए कई घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि कलिम्पोंग मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की आधारशिला 9 दिसंबर, 2027 को रखी जाएगी। इसके अलावा, हमने दार्जिलिंग, कर्सियांग, कलिम्पोंग, मिरिक और सिलीगुड़ी के सब-डिवीजन और जिला अस्पतालों में सुधार करने का निर्णय लिया है।

ADVANCE AGROLIFE LIMITED
(FORMERLY KNOWN AS ADVANCE AGROLIFE PRIVATE LIMITED)

एडवांस एग्रोलाइफ लिमिटेड

CIN: L24121RJ2002PLC017467
रजिस्टर्ड ऑफिस: E-39, रीको इंडस्ट्रियल एरिया, बगरू (एक्सटेंशन), जयपुर (राज)- 303007
कॉर्पोरेट ऑफिस: 301, तीसरी मंजिल और 140-बंकित टीएन मिश्रा मार्ग, निर्माण नगर, जयपुर (राज)- 302019
फोन: 0141-4810126 • वेबसाइट: www.advanceagrolife.com • ईमेल: cs@advanceagrolife.com

30 सितंबर, 2026 को समाप्त तिमाही एवं छमाही के लिए अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का विवरण

सेबी (सूचीबद्धता दायित्व एवं प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2015 ("सेबी सूचीबद्धता विनियम") के विनियम 33 एवं 47 के अनुपालन में, एडवांस एग्रोलाइफ लिमिटेड ("कंपनी") के निदेशक मंडल ने बुधवार, 04 नवंबर, 2026 को आयोजित अपनी बैठक में 30 सितंबर, 2026 को समाप्त तिमाही एवं छमाही के लिए कंपनी के अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों ("वित्तीय परिणाम") पर विचार-विमर्श किया तथा उन्हें अनुमोदित किया।

उक्त वित्तीय परिणामों के साथ-साथ सीमित समीक्षा प्रतिवेदन (एकल) स्टॉक एक्सचेंजों की वेबसाइट www.bseindia.com एवं www.nseindia.com तथा कंपनी की वेबसाइट https://advanceagrolife.com/web/financial_result पर उपलब्ध है।

इन्हें संगत उपकरणों के माध्यम से त्वरित प्रतिक्रिया (QR) कोड स्कैन करके भी देखा जा सकता है।

बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की ओर से और उनके लिए
एडवांस एग्रोलाइफ लिमिटेड
हस्ताक्षर/-
ओम प्रकाश चौधरी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
DIN- 01004122

स्थान: जयपुर
दिनांक: 04 नवंबर 2026